राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

AKSHANSH PUBLICATION

RAS PSI

MODULE 3

MCQ + PYQ QUESTION BANK

नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

अभिकथन- कारण, युग्म, सुमेलित, सत्य- असत्य प्रश्नों के पैटर्न पर

सारगर्भित प्रश्नोत्तरों का संकलन

RAS एवं PSI के विगत वर्षों के प्रश्न व्याख्या सहित संकलन

भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली

राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

विशेषताएँ:

1. परीक्षा की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण प्रश्नों का व्याख्या सहित हल
2. नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों का समावेशन
3. विगत वर्ष के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण पर आधारित प्रश्न

नागवेन्द्र सर

अक्षांश पब्लिकेशन
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

AKSHANSH

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

RAS PSI

MODULE 3

MCQ +PYQ QUESTION BANK

RAS एवं PSI के विगत वर्षों के प्रश्न व्याख्या सहित संकलन

भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली

राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक

नागवेन्द्र सर

सह संपादक

गंगासिंह, अनोपचंद मंडा

सुमेर, पप्पाराम

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM INSTAGRAM YOUTUBE FACEBOOK WHATSAPP

बुक कोड - AP0140

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

विषय वस्तु

01 भारतीय राजव्यवस्था

क्र. सं.	अध्याय	RAS	SI	पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय शासन अधिनियम - 1919 एवं 1935	✓	✓	1-4
2.	संविधान सभा, भारतीय संविधान की प्रकृति	✓	✓	5-7
3.	प्रस्तावना (उद्देशिका)	✓	✓	8-10
4.	मौलिक अधिकार	✓	✓	11-14
5.	राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत	✓	✓	15-17
6.	मौलिक कर्तव्य	✓	✓	18-20
7.	संघीय ढाँचा, संवैधानिक संशोधन और आपातकालीन प्रावधान	✓	✓	21-25
8.	भारत राज्य की प्रकृति और भारत में लोकतंत्र	✓	✗	26-28
9.	राष्ट्रीय एकीकरण और राज्यों का पुनर्गठन	✗	✓	29-32
10.	गठबंधन सरकारें और राजनीतिक दल	✗	✓	33-35
11.	राष्ट्रपति	✓	✓	36-39
12.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद	✓	✓	40-42
13.	संसद	✓	✓	43-46
14.	न्यायपालिका, जनहित याचिका और न्यायिक पुनरावलोकन	✓	✓	47-49
15.	निर्वाचन आयोग	✓	✓	50-53
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	✗	✓	54-57
17.	योजना आयोग और राष्ट्रीय विकास परिषद् (नीति आयोग)	✓	✓	58-60
18.	केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त	✓	✓	61-63
19.	केन्द्रीय सूचना आयुक्त	✓	✓	64-66
20.	लोकपाल	✓	✓	67-69
21.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	✓	✓	70-72
22.	लोकनीति एवं अधिकार	✓	✓	73-75
23.	नागरिकता	✓	✗	76-79
24.	नागरिक चार्टर, सामाजिक अंकेक्षण और शिकायत निवारण प्रणाली	✓	✗	80-83
25.	संघ लोक सेवा आयोग	✓	✗	84-87
26.	राष्ट्रीय महिला आयोग	✓	✗	88-92
27.	राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग	✓	✗	93-97
28.	शहरी और ग्रामीण स्थानीय सरकार	✓	✓	98-102
29.	RAS विगत वर्षों के प्रश्न - पत्र	✓	✗	103-112
30.	SI विगत वर्षों के प्रश्न - पत्र	✗	✓	113-121

02 राजस्थान की राजव्यवस्था

क्र. सं.	अध्याय	RAS	SI	पृष्ठ संख्या
1.	राज्यपाल	✓	✓	1-6
2.	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	✓	✓	7-10
3.	राज्य विधानसभा	✓	✓	11-14
4.	उच्च न्यायालय	✓	✓	15-19
5.	पंचायती राज	✓	✓	20-24
6.	नगरीय स्वशासन	✓	✓	25-28
7.	जिला प्रशासन	✓	✓	29-33
8.	राजस्थान लोक सेवा आयोग	✓	✓	34-37
9.	राज्य निर्वाचन आयोग	✓	✓	38-41
10.	लोकायुक्त	✓	✓	42-46
11.	राज्य मानवाधिकार आयोग	✗	✓	47-50
12.	राज्य सूचना आयोग	✓	✓	51-53
13.	लोक नीति, विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार-पत्र	✗	✓	54-56
14.	महिला एवं बाल अपराध संबंधी कानूनी प्रावधानों/नियमों की सामान्य जानकारी	✗	✓	57-59
15.	महाधिवक्ता एवं अन्य न्यायिक निकाय	✓	✗	60-62
16.	मुख्य सचिव, राज्य सचिवालय, विभिन्न विभागों के निदेशालय, संभागीय आयुक्त	✓	✗	63-65
17.	राज्य महिला आयोग	✓	✗	66-69
18.	राजस्व मण्डल	✓	✗	70-73
19.	RAS विगत वर्षों के प्रश्न - पत्र	✓	✗	74-81
20.	SI विगत वर्षों के प्रश्न - पत्र	✗	✓	82-87

❑❑❑❑

भारतीय राजव्यवस्था

भारतीय शासन अधिनियम - 1919 एवं 1935

1. **निम्न कथनों पर विचार कीजिये:**
1. भारत शासन अधिनियम, 1919 को मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है।
2. इस अधिनियम द्वारा केंद्र में द्वैध शासन लागू किया गया।
3.इसका उद्देश्य भारतीयों को शासन में प्रतिनिधित्व देना था।
निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. **भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
1. प्रांतों में द्वैध शासन समाप्त कर प्रांतीय स्वायत्तता लागू की गई।
2. अवशिष्ट शक्तियाँ संघीय न्यायालय को दी गई थीं।
3. संघीय सूची, प्रांतीय सूची एवं समवर्ती सूची का प्रावधान किया गया।
4. बर्मा को ब्रिटिश भारत से अलग किया गया।
5. भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना इसी अधिनियम के तहत हुई।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1, 3 और 4 (b) केवल 1, 3, 4 और 5
(c) केवल 2 और 5 (d) केवल 1, 2, 3 और 5

3. **निम्न कथनों पर विचार कीजिये:**
1. भारत शासन अधिनियम, 1919 ने केंद्र में द्विसदनीय विधानमंडल की शुरुआत की।
3. उच्च सदन को राज्य परिषद कहा गया।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

4. **भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
1. केंद्र में द्वैध शासन लागू किया गया।
2. संघीय न्यायालय का गठन 1937 में हुआ।
3. सिंध और उड़ीसा को नए प्रांतों के रूप में बनाया गया।
4. मताधिकार सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित था।
उपरोक्त में से कौन-से कथन असत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 4
(c) केवल 2 और 4 (d) केवल 3 और 4

5. **मिलान कीजिये:**

सूची-I	**सूची-II**
A. आरक्षित विषय	**1. शिक्षा**
B. स्थानांतरित विषय	**2. स्वास्थ्य**
C. कानून एवं व्यवस्था	**3. गवर्नर के नियंत्रण में**

सही मिलान चुनिये:
(a) A-3, B-1, C-2 (b) A-1, B-2, C-3
(c) A-3, B-2, C-1 (d) A-2, B-1, C-3

6. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए-**

सूची-I	**सूची-II**
1. प्रांतीय स्वायत्तता	**A. द्वैध शासन की समाप्ति**
2. संघीय न्यायालय	**B. दिल्ली में स्थापना**
3. RBI	**C. मुद्रा एवं साख नियंत्रण**
4. समवर्ती सूची	**D. केंद्र व प्रांत दोनों के विषय**

कूट:
(a) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D (b) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C
(c) 1-C, 2-D, 3-B, 4-A (d) 1-D, 2-C, 3-A, 4-B

7. **कथन (A): भारत शासन अधिनियम, 1919 में प्रांतों में द्वैध शासन लागू किया गया।**
कारण (R): प्रांतीय विषयों को आरक्षित और स्थानांतरित सूचियों में विभाजित किया गया था।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

8. **कथन (A): भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत अखिल भारतीय संघ की योजना सफल नहीं हो सकी।**
कारण (R): देशी रियासतों ने संघ में शामिल होने में रुचि नहीं दिखाई।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, परंतु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परंतु R सत्य है।

9. **निम्न में से भारत शासन अधिनियम, 1919 के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?**
(a) महिलाओं को मताधिकार प्रदान किया गया।
(b) गवर्नर को अध्यादेश जारी करने का अधिकार था।
(c) केंद्रीय विधायिका ब्रिटिश संसद के कानूनों को बदल सकती थी।
(d) विधान परिषदों का विस्तार किया गया।

10. **निम्न में से 1935 के अधिनियम के बारे में सत्य कथन चुनिए**
(a) 1935 अधिनियम ने भारत में संसदीय शासन समाप्त कर दिया।
(b) अधिनियम में संघीय लोक सेवा आयोग का प्रावधान नहीं था।
(c) गवर्नर-जनरल को विशेष शक्तियाँ प्राप्त थीं।
(d) अधिनियम के तहत प्रांतों को कोई स्वायत्तता नहीं मिली।

11. **निम्न कथनों पर विचार कीजिये:**
1. वायसराय को विधानमंडल को भंग करने का अधिकार था।
2. केंद्रीय विधानमंडल का कार्यकाल 5 वर्ष निश्चित किया गया था।
3. वायसराय अध्यादेश जारी कर सकता था।
सही उत्तर चुनिये:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

12. **निम्न में से 1935 के अधिनियम के बारे में असत्य कथन चुनिए**
(a) अधिनियम में कुल 321 धाराएँ थीं।
(b) अधिनियम में 10 अनुसूचियाँ थीं।
(c) यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 को लागू हुआ।
(d) यह ब्रिटिश संसद द्वारा पारित सबसे विस्तृत अधिनियम था।

13. **निम्न कथनों में से कौन-सा सत्य है?**
1. प्रांतीय मंत्रियों का वित्त पर पूर्ण नियंत्रण था।
2. गवर्नर मंत्रियों को बर्खास्त कर सकता था।
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. संघीय न्यायालय सर्वोच्च अपीलीय संस्था थी।
2. प्रांतीय सूची में पुलिस एवं शिक्षा जैसे विषय रखे गए।
3. समवर्ती सूची के विषयों पर केवल केंद्र कानून बना सकता था।
4. केंद्र में द्वैध शासन लागू किया गया।
5. अधिनियम भारतीय संविधान का प्रमुख स्रोत बना।
सही उत्तर चुनिए-
(a) केवल 1, 2 और 5 (b) केवल 2, 4 और 5
(c) केवल 1, 2, 4 और 5 (d) केवल 3 और 4

15. मिलान कीजिये:

नेता	प्रतिक्रिया
A. बाल गंगाधर तिलक	1. “अयोग्य और निराशाजनक”
B. एनी बेसेंट	2. “इंग्लैंड के योग्य, भारत के अयोग्य”
C. कांग्रेस	3. “निराशाजनक और असंतोषजनक”

सही विकल्प चुनिये:
(a) A-1, B-2, C-3 (b) A-2, B-1, C-3
(c) A-3, B-2, C-1 (d) A-1, B-3, C-2

16. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?
1. जवाहरलाल नेहरू ने इसे “दासता का नया चार्टर” कहा।
2. अधिनियम के अंतर्गत संघीय ढाँचे की अवधारणा दी गई।
3. भारतीय संविधान का अधिकांश भाग इसी अधिनियम से प्रेरित है।
4. अधिनियम ने गवर्नरों की शक्तियाँ समाप्त कर दीं।
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) केवल 1, 3 और 4

17. कथन (A): भारत शासन अधिनियम, 1919 भारतीयों को प्रशासनिक अनुभव देने में सहायक सिद्ध हुआ।
कारण (R): इस अधिनियम ने प्रांतीय स्वशासन की शुरुआत की।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

18. 1935 के अधिनियम के बारे में सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
1. द्वैध शासन	A. केंद्र स्तर पर लागू
2. अवशिष्ट शक्तियाँ	B. गवर्नर-जनरल
3. बर्मा पृथक्करण	C. वर्ष 1937
4. मताधिकार विस्तार	D. लगभग 10% जनसंख्या

कूट:
(a) 1-B, 2-A, 3-C, 4-D
(b) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D
(c) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B
(d) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A

19. निम्न कथनों पर विचार कीजिये:
1. केंद्रीय विधायिका को वित्त पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त था।
2. मताधिकार का विस्तार सीमित था।
3. पृथक निर्वाचन प्रणाली ने सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया।
निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

20. कथन (A): भारत सरकार अधिनियम, 1935 को भारतीय संविधान का “ब्लू प्रिंट” कहा जाता है।
कारण (R): भारतीय संविधान के अनेक प्रावधान इसी अधिनियम से लिए गए हैं।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, परंतु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परंतु R सत्य है।

21. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. इसमें ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और रियासतों के संघ के आधार पर एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान किया गया।
2. रक्षा और विदेशी मामलों को संघीय विधायिका के नियंत्रण में रखा गया।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

22. भारत शासन अधिनियम, 1935 के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिये -
1. अधिनियम में 110 धाराएं और 12 अनुसूचियां थी।
2. अधिनियम ने ऐसे अखिल भारतीय संघ की स्थापना की व्यवस्था की जिसमें प्रान्त एवं देशी रियासतें इकाइयों के रूप में सम्मिलित थे।
3. अधिनियम ने केन्द्र एवं इकाइयों के मध्य शक्तियों का विभाजन दो सूचियों - संघीय सूची व प्रान्तीय सूची में किया।
4. अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को दी गयीं।
उपर्युक्त में से कौन से कथन सहीं है -
(a) 1, 2, 3 और 4
(b) 2 और 4 दोनों
(c) 2 और 3
(d) 3 और 4 दोनों

23. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है -
(1) इस अधिनियम में ब्रिटिश प्रांतों और भारतीय राज्यों से मिलकर “अखिल भारतीय संघ” की परिकल्पना की गई थी।
(2) 1935 के अधिनियम का संघीय हिस्सा तब लागू हुआ जब रियासतों को संघ में शामिल होने के लिए राजी किया गया।
(3) भारत में केंद्र सरकार का संविधान वही रहा जो कुछ संशोधनों के साथ 1919 के अधिनियम के तहत था।
(4) 1919 के अधिनियम में यथा उपबंधित केन्द्रीय विधायिका की शक्ति और कार्य भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 तक अपरिवर्तित रहे।
कूट -
(a) केवल 1 सही है
(b) केवल 3 सही है
(c) 1, 3 और 4 सही हैं
(d) 2 और 4 दोनों सही हैं

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]

व्याख्या:-

- अधिनियम को मोंटफोर्ड सुधार कहा गया तथा इसका उद्देश्य भारतीय प्रतिनिधित्व बढ़ाना था। द्वैध शासन केवल प्रांतों में लागू किया गया, केंद्र में नहीं।

2. [b]

व्याख्या:-

- अधिनियम 1935 में प्रांतीय स्वायत्तता, तीन सूचियों का प्रावधान, बर्मा पृथक्करण तथा RBI गठन हुआ। अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर-जनरल के पास थीं, न्यायालय के पास नहीं।

3. [c]

व्याख्या:-

- अधिनियम द्वारा पहली बार केंद्र में द्विसदनीय व्यवस्था लागू हुई। उच्च सदन राज्य परिषद तथा निम्न सदन केंद्रीय विधानसभा कहलाया।

4. [b]

व्याख्या:-

- अधिनियम में सीमित मताधिकार था, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार नहीं। लगभग 10% आबादी को मतदान का अधिकार मिला था। शेष कथन सही हैं।

5. [d]

व्याख्या:-

- आरक्षित विषय गवर्नर के नियंत्रण में थे जबकि शिक्षा एवं स्वास्थ्य स्थानांतरित विषयों में शामिल थे। कानून एवं व्यवस्था आरक्षित श्रेणी का विषय था।

6. [a]

व्याख्या:-

- अधिनियम 1935 में प्रांतीय स्वायत्तता हेतु द्वैध शासन हटाया गया, संघीय न्यायालय दिल्ली में स्थापित हुआ तथा RBI को मुद्रा नियंत्रण का कार्य दिया गया।

7. [a]

व्याख्या:-

- द्वैध शासन की मूल व्यवस्था ही विषयों के विभाजन पर आधारित थी। आरक्षित विषय गवर्नर तथा स्थानांतरित विषय मंत्रियों को दिये गए थे।

8. [a]

व्याख्या:-

- संघीय योजना ब्रिटिश भारत एवं रियासतों के सहयोग पर आधारित थी। रियासतों के शामिल न होने के कारण संघ अस्तित्व में नहीं आ पाया।

9. [c]

व्याख्या:-

- भारतीय केंद्रीय विधायिका को ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कानूनों को बदलने अथवा निरस्त करने का अधिकार प्राप्त नहीं था।

10. [c]

व्याख्या:-

- गवर्नर-जनरल के पास वीटो एवं विशेषाधिकार प्राप्त शक्तियाँ थीं, जिनके कारण भारतीय नेताओं ने अधिनियम की आलोचना की थी।

11. [c]

व्याख्या:-

- वायसराय को विधानमंडल भंग करने और अध्यादेश जारी करने की शक्ति थी। केंद्रीय विधानमंडल का सामान्य कार्यकाल 3 वर्ष था, 5 वर्ष नहीं।

12. [c]

व्याख्या:-

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 अगस्त 1935 में पारित हुआ तथा 1 अप्रैल 1937 से लागू किया गया था।

13. [b]

व्याख्या:-

- गवर्नर को मंत्रियों को हटाने का अधिकार प्राप्त था। वित्त पर नियंत्रण मुख्यतः गवर्नर और आरक्षित प्रशासन के अधीन रहा।

14. [c]

व्याख्या:-

- समवर्ती सूची पर केंद्र और प्रांत दोनों कानून बना सकते थे। अन्य सभी कथन अधिनियम 1935 की प्रमुख विशेषताएँ थीं।

15. [a]

व्याख्या:-

- तिलक ने सुधारों को "अयोग्य और निराशाजनक" कहा जबकि एनी बेसेंट ने इन्हें भारत हेतु अनुपयुक्त बताया। कांग्रेस ने इन्हें असंतोषजनक माना।

16. [c]

व्याख्या:-

- गवर्नरों की शक्तियाँ समाप्त नहीं की गई थीं, बल्कि उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त रहे। इसी कारण भारतीय नेताओं ने इसकी आलोचना की थी।

17. [a]

व्याख्या:-

- अधिनियम द्वारा प्रांतों में भारतीय मंत्रियों को प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ मिलीं, जिससे स्वशासन और प्रशासनिक अनुभव की शुरुआत हुई।

18. [b]

व्याख्या:-

- अधिनियम 1935 में केंद्र में द्वैध शासन लागू किया गया, अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर-जनरल को दी गईं तथा सीमित मताधिकार प्रदान किया गया।

19. [b]

व्याख्या:-

- केंद्रीय विधायिका को वित्त पर पूर्ण नियंत्रण नहीं था। सीमित मताधिकार और पृथक निर्वाचन प्रणाली ने सांप्रदायिकता तथा राजनीतिक विभाजन को बढ़ावा दिया।

20. [a]

व्याख्या:-

- संघीय ढाँचा, न्यायपालिका, लोक सेवा आयोग तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं सहित अनेक संवैधानिक प्रावधान 1935 अधिनियम से प्रेरित थे।

21. [a]

व्याख्या:-

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 में वास्तव में अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान था। संघ में ब्रिटिश भारतीय प्रांत और रियासतें दोनों शामिल होनी थीं। हालाँकि, इस संघ की वास्तविक स्थापना एक निश्चित संख्या में रियासतों के इसमें शामिल होने पर सशर्त थी, जो अंततः नहीं हुआ, इसलिए संघ कभी नहीं बना।
- कथन 2 गलत है । भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत प्रशासित किए जाने वाले विषयों को आरक्षित और हस्तांतरित विषयों में विभाजित किया गया था। आरक्षित विषय- विदेशी मामले, रक्षा, आदिवासी क्षेत्र और धार्मिक मामले जिन्हें विशेष रूप से गवर्नर-जनरल द्वारा प्रशासित किया जाना था न कि संघीय विधायिका द्वारा। कार्यकारी पार्षदों की सलाह पर।

22. [c]

व्याख्या:-

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 : यह लगभग 11 'भागों' और 10 'अनुसूचियों' का आयोजन किया गया था।
- इसने प्रांतों और रियासतों को इकाइयों के रूप में मिलाकर एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान किया।
- अधिनियम ने तीन सूचियों के संदर्भ में केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को विभाजित किया
- अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को प्रदान की गई। हालाँकि, संघ कभी अस्तित्व में नहीं आया क्योंकि रियासतें इसमें शामिल नहीं हुईं।
- इसने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की।

23. [c]

व्याख्या:-

- 1935 के भारत सरकार अधिनियम के संघीय हिस्से को तब लागू नहीं किया गया जब रियासतों को संघ में शामिल होने के लिए राजी किया गया। दरअसल, रियासतों की भागीदारी न होने के कारण संघीय प्रावधानों को पूरी तरह से लागू नहीं किया गया।

♦♦♦♦

राजस्थान की राजव्यवस्था

1. राजस्थान के राज्यपाल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(1) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
(2) उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
(3) उसमें लोक सभा का सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए।
(4) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
कूट:-
(a) 3 तथा 4 सही हैं। (b) 1, 2 तथा 4 सही हैं।
(c) 1, 2 तथा 3 सही हैं। (d) 2 तथा 3 सही हैं।

2. किसी राज्य के राज्यपाल (गवर्नर) के संबंध में सही कथन का चयन करें
1. उनको भारत के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।
2. वे राष्ट्रपति की इच्छा अनुसार पद पर रहते हैं।
3. उनमें राज्य की कार्यकारी शक्तियाँ निहित है।
4. सामान्यत: वे पाँच वर्ष के लिए पद पर रहते हैं।
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 2, 4
(c) 2, 3, 4 (d) 1, 2

3. सही सुमेलित नहीं है?

राज्यपाल का नाम	**मुख्यमंत्री का नाम**
(a) अंशुमन सिंह	वसुन्धरा राजे
(b) डॉ.सम्पूर्णानंद	मोहन लाल सुखाड़िया
(c) ओ.पी. मेहरा	शिवचरण माथुर
(d) निर्मलचन्द जैन	अशोक गहलोत

4. राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-
1. एस. के. सिंह **2. श्रीमती प्रभा राव**
3. निर्मल चंद जैन **4. दरबारा सिंह**
(a) केवल 2 (b) 2, 4
(c) 1, 2, 3, 4 (d) केवल 1

5. निम्नांकित में से कौन पद ग्रहण करने से पूर्व राजस्थान के राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ लेता है/लेते हैं?
(A) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष
(B) राजस्थान का लोकायुक्त
(C) राज्य निर्वाचन आयुक्त
(D) राजस्थान का महाधिवक्ता
सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल (A)
(b) केवल (A) और (B)
(c) केवल (A), (B) और (C)
(d) (A), (B), (C) और (D)

6. राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन-से संवैधानिक पदाधिकारी राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन उन्हें राज्यपाल द्वारा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है?
1. महाधिवक्ता
2. राज्य निर्वाचन आयुक्त
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य
(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(b) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

7. राजस्थान में अंतिम राष्ट्रपति शासन की अवधि क्या थी?
(a) 15 दिसम्बर, 1992 से 03 दिसम्बर, 1993
(b) 1 दिसम्बर, 1998 से 04 जनवरी, 1999
(c) 30 अप्रैल, 1977 से 21 जून, 1977
(d) 13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967

8. राजस्थान में अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्ति के बारे में निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
1. राज्यपाल को अनुसूचियाँ के प्रशासन के संबंध में राष्ट्रपति को वार्षिक रूप से या जब भी राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।
2. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के संबंध में कोई नियम नहीं बनाते है।
3. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति के तरीकों के लिए नियम बनाता है।
4. राज्य का राज्यपाल विनियमन बना सकता है जो ऐसे क्षेत्रों में एस.टी. के सदस्यों द्वारा या उनके बीच भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित और प्रतिबंधित कर सकता है।
(a) केवल 1 सही है। (b) 1, 2 और 4 सही है।
(c) 1, 3 और 4 सही हैं। (d) 2 और 4 सही हैं।

9. भारतीय राज्य के राज्यपाल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?
(a) उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(b) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
(c) वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।
(d) यदि संबंधित राज्य की विधानमंडल उसे हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करती है तो उसे पहले भी हटाया जा सकता है।

10. निम्नांकित कथनों में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल की शक्तियों के बारे में सही है?
(a) यह विधानसभा भंग नहीं कर सकता।
(b) यह अध्यादेश जारी नहीं कर सकता।
(c) यह विधानसभा में सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता।
(d) यह राज्य लोक सेवा आयोग को बर्खास्त नहीं कर सकता।

11. कौन-कौन-से कार्य राज्यपाल द्वारा किए जाते है?
1. विधानसभा का सत्रावसान करना
2. विधानसभा भंग करना
3. विधानसभा की बैठक स्थगित करना
4. विधानसभा का अधिवेशन आहूत करना
सही उत्तर का चयन कीजिए
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 4

12. नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से सम्बोधित किया जाता है–
(a) "Honourable" अंग्रेजी में तथा "माननीय राज्यपाल" अथवा राज्यपाल महोदय" हिन्दी में
(b) "The most honourable" अंग्रेजी में तथा “अति सम्माननीय" हिन्दी में
(c) "His/Her Excellency" अंग्रेजी में तथा “महामहिम" हिन्दी में
(d) "His/Her Royal Highness" अंग्रेजी तथा “महाराजाधिराज/महारानीधिराज" हिन्दी में

13. निम्न में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में असत्य है?
(a) राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियों के लिए निर्णयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।
(b) राज्यपाल को मृत्युदण्ड के दण्डादेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति प्राप्त नहीं है।
(c) राज्यपाल को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिये राज्यपाल सचिवालय कार्यरत है।
(d) राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।

14. सुमेलित नहीं है?
(a) कुछ मामलों में दण्डादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 161
(b) राज्यपाल राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति करें - अनुच्छेद 165
(c) राज्यपाल राज्य-विधानमण्डल के सदन को आहूत करेंगे - अनुच्छेद - 174
(d) विधानमण्डल विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति- अनुच्छेद 123

15. कौन-सा विकल्प सही हैं?
1. राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200)
2. राष्ट्रपति, राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को सदन को लौटा दे। (अनुच्छेद-201)
(a) कथन 1 सही है। (b) कथन 2 सही है।
(c) 1 एवं 2 दोनों सही हैं। (d) 1 एवं 2 दोनों गलत हैं।

16. राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
A. वह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।
B. वह राज्य के किसी भी लाभ के पद को धारण कर सकते हैं।
C. वह इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान राज्य शाखा के अध्यक्ष हैं ।
D. उन्हें संविधान के अन्तर्गत कोई स्व-विवेकीय शक्ति प्राप्त नहीं है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?
(a) A, B, C और D (b) B, C और D
(c) केवल C (d) B और C दोनों

17. किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुन: स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब-
(a) जहाँ राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।
(b) यदि राज्यपाल या राष्ट्रपति अनुमति दे तो न्यायालय संवैधानिक उपबन्धों के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित कर देगा।
(c) राज्यपाल ऐसे विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के लिए भेज देगा।
(d) राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अतिक्रमण के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर सकता है।

18. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: राज्यपाल केवल उन्हीं व्यक्तियों को मंत्री नियुक्त करता है जिनकी सिफारिश मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है।
कथन II: मुख्यमंत्री मंत्रियों के बीच विभागों का आवंटन और फेरबदल करते हैं।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(b) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(c) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(d) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

19. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं?
(a) सरदार जोगेन्द्र सिंह
(b) सरदार हुकुम सिंह
(c) फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ
(d) एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा

20. राजभव, राजस्थान में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल किस राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान प्रारंभ किया गया?
(a) अंशुमन सिंह (b) प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
(c) कलराज मिश्र (d) कल्याण सिंह

21. निम्न कथनों पर विचार कीजिए –
1. गवर्नर रिलीफ फण्ड का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।
2. यह कोष केवल प्राकृतिक आपदाओं के लिए सीमित है।
3. इस कोष से व्यय राज्यपाल की अनुमति से किया जाता है।
4. इस कोष का उपयोग महामारी के समय भी किया जा सकता है।
कूट:-
(a) 1, 3 और 4 सही (b) केवल 1 और 2 सही
(c) 1 और 4 सही (d) 1, 2, 3 और 4 सही

22. निम्न कथनों पर विचार कीजिए –
1. हरिभाऊ किसनराव बागडे का जन्म एक कृषक परिवार में हुआ।
2. वे प्रारंभ से ही सहकारिता आंदोलन से जुड़े रहे।
3. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की।
4. वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से जुड़े रहे।
कूट:--
(a) 1, 2 और 4 सही
(b) 1 और 3 सही
(c) 2 और 3 सही
(d) 1, 2, 3 और 4 सही

23. निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
1. राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।
2. राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा निर्वाचित करता है।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 व 2 दोनों (d) न तो 1 वन ही 2

24. राज्यपाल को, राज्य विधानमण्डल द्वारा महाभियोग प्रक्रिया से हटाया जाना चाहिए, यह सुझाव किसने दिया?
(a) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग
(b) राजमन्नार समिति
(c) सरकारिया आयोग
(d) पुंछी आयोग

25. राज्यपाल की उपलब्धियों, भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख किस अनुच्छेद में है ?
(a) अनुच्छेद - 158 (1)
(b) अनुच्छेद - 158 (2)
(c) अनुच्छेद - 158 (3)
(d) अनुच्छेद - 158 (4)

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]

व्याख्या:-

राज्यपाल हेतु अर्हताएं/योग्यताएँ-

- संविधान के अनुच्छेद 157 में राज्यपाल हेतु अर्हताएं निर्धारित दी गई है-
  1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
  2. वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।
- राज्यपाल की नियुक्ति से संबंधित दो परम्पराएं भी जुड़ गई यद्यपि दोनों परम्पराओं का कुछ मामलों में उल्लंघन हुआ है-
  1. वह उस राज्य से संबंधित न हो जिस राज्य में नियुक्त किया जा रहा है।
  2. राष्ट्रपति, राज्यपाल की नियुक्ति के मामले में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श करे।

2. [c]

व्याख्या:-

राज्यपाल की पदावधि/कार्यकाल

- **संविधान के अनुच्छेद 156** में राज्यपाल की **पदावधि/कार्यकाल का उल्लेख** किया गया है।
- राज्यपाल का **कार्यकाल पद ग्रहण से पाँच वर्ष** के लिए होता है लेकिन वास्तव में वह **राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण** करता है।
- राष्ट्रपति एक राज्यपाल को उसके बचे हुए कार्यकाल के लिए किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकते हैं।
- राष्ट्रपति, एक राज्यपाल को जिसका कार्यकाल पूरा हो चुका है, को उसी राज्य या अन्य राज्य में दुबारा नियुक्त कर सकता है।
- एक राज्यपाल पाँच वर्ष के बाद भी पद पर बना रहता है जब तक की उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण न कर ले, ताकि रिक्तता की स्थिति न पैदा हो।
- राज्यपाल अपना त्याग-पत्र राष्ट्रपति को सम्बोधित करके देता है।
- अनुच्छेद 160 के तहत राष्ट्रपति को जब लगे की कोई अकस्मात् घटना हो रही है तब वह राज्यपाल के कार्यों के निर्वहन के लिए उपबंध बना सकता है।
- वर्तमान राज्यपाल के अकस्मात् निधन पर संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अस्थायी तौर पर राज्यपाल का कार्यभार सौंपा जाता है।

3. [a]

व्याख्या:-

- अंशुमन सिंह ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में वर्ष 1999 से 2003 तक सेवा दी थी, जबकि वसुंधरा राजे ने पहली बार वर्ष 2003 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस कारण दोनों के कार्यकाल एक साथ नहीं आए, इसलिए यह सुमेलित तथ्यों के अनुरूप नहीं है।
- अंशुमन सिंह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रथम कार्यकाल में राज्यपाल थे।

4. [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-

दरबारा सिंह

- श्री दरबारा सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन)
- 01 मई, 1998 से 23 मई, 1998 तक

निर्मल चंद जैन

- श्री निर्मलचन्द जैन (कार्यकाल के दौरान निधन)
- 14 मई, 2003 से 22 सितंबर, 2003 तक

शैलेन्द्र कुमार सिंह

- श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन) (कार्यवाहक)
- 06 सितंबर, 2007 से 09 जुलाई, 2009 तक
- 23 जुलाई, 2009 से 01 दिसंबर, 2009 तक

श्रीमति प्रभा राव

- 3-12-2009 से 24-01-2010 तक (अतिरिक्त प्रभार),
- 25-01-2010 से 26-04-2010 तक (कार्यवाहक)
- पद पर रहते हुये मृत्यु (26-04-2010) हुई थीं।
- यह तत्कालीन हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल थीं इन्हें राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

5. [b]

व्याख्या:-

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष-

- मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अनुसार, आयोग का अध्यक्ष अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राज्यपाल के समक्ष शपथ लेता है।

राजस्थान के लोकायुक्त-

- राजस्थान लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के तहत, लोकायुक्त को भी राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ दिलाई जाती है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त-

- यद्यपि इनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, परंतु राज्यपाल के समक्ष शपथ लेने का कोई स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान नहीं है।

राजस्थान के महाधिवक्ता-

- राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, लेकिन पद ग्रहण से पूर्व शपथ लेने का कोई विधिक उल्लेख नहीं मिलता।

6. [b]

व्याख्या:-

महाधिवक्ता (Advocate General)-:

- नियुक्ति - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - राज्यपाल इस पदाधिकारी को किसी भी समय पद से हटा सकता है या यह स्वयं पदत्याग (राज्यपाल को त्यागपत्र) भी कर सकता है, इसलिए महाधिवक्ता को राज्यपाल द्वारा हटाया जा सकता है।
- राज्य निर्वाचन आयुक्त:-
- नियुक्ति - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - इसे सिर्फ राष्ट्रपति ही हटा सकता है और वह भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया अपनाकर।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य (RPSC Members):

- नियुक्ति-: राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - इन्हें भी राष्ट्रपति ही विशेष प्रक्रिया के तहत पद से हटा सकता है (जैसे गलत आचरण, अक्षमता आदि)।

7. [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान में अब तक कुल चार बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है-

13 मार्च से 26 अप्रैल, 1967 (45 दिन)
- ◈ यह पहला राष्ट्रपति शासन था।
- ◈ अब तक का सबसे छोटा राष्ट्रपति शासन था।
- ◈ इससे पहले सरकार गिरने के कारण लगाया गया।
- ◈ मुख्यमंत्री – मोहनलाल सुखाड़िया

30 अप्रैल से 21 जून, 1977 (52 दिन)
- ◈ यह दूसरा राष्ट्रपति शासन था।
- ◈ इससे पहले हरीदेव जोशी की सरकार थी।
- ◈ राजनीतिक अस्थिरता के कारण लागू किया गया।
- ◈ मुख्यमंत्री – हरिदेव जोशी

17 फरवरी से 5 जून, 1980
- ◈ यह तीसरा राष्ट्रपति शासन था।
- ◈ इससे पहले भैंरोसिंह शेखावत की सरकार बर्खास्त की गई।

15 दिसंबर 1992 से 3 दिसंबर, 1993
- ◈ यह चौथा और अंतिम राष्ट्रपति शासन था।
- ◈ इससे पहले भैरोसिंह शेखावत की सरकार थी।
- ◈ करीब एक वर्ष तक चला। (सबसे लंबा)

8. [c]

व्याख्या:-

राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्तियाँ-
- ◈ अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय सलाहकार परिषद्
- ◈ भारतीय संविधान की अनुसूची 5 के अंतर्गत अनुच्छेद 244(a) के अनुसार, जिन राज्यों में अनुसूचित क्षेत्र मौजूद हैं, वहाँ राष्ट्रपति द्वारा जनजातीय सलाहकार परिषद् (Tribal Advisory Council) का गठन किया जाता है।
- ◈ यह परिषद् राज्यपाल की सलाह से गठित होती है।
- ◈ इसमें कुल 20 सदस्य होते हैं।
- ◈ इन 20 में से तीन-चौथाई (¾) सदस्य वे होते हैं, जो जनजातीय क्षेत्रों से विधायक होते हैं।
- ◈ यह परिषद् राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित मामलों में सुझाव देने का कार्य करती है।
- ◈ राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजता है।
- ◈ अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित नियम राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की सहमति से बनाए, रद्द या संशोधित किए जा सकते हैं।
- ◈ राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों में ST समुदाय के हितों की रक्षा के लिए यह नियम बना सकता है कि
- ◈ ST सदस्यों या उनके बीच भूमि के लेन-देन या हस्तांतरण पर रोक लगाई जा सके।
- ◈ किस क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करना है, इसका निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिया जाता है।

9. [d]

व्याख्या:-
- ◈ राज्यपाल को हटाने के कारणों या प्रक्रिया का उल्लेख संविधान में नहीं है।
- ◈ उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- ◈ वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- ◈ वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।

10. [d]

व्याख्या:-
- ◈ राज्यपाल, राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- ◈ अध्यादेश राज्यपाल के द्वारा निर्मित विधि होती है। इसका उल्लेख भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 213** में किया गया है।
- ◈ राज्य **विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित** कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- ◈ राज्यपाल राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करता है, लेकिन हटाने का अधिकार केवल राष्ट्रपति को है।

11. [d]

व्याख्या:-
- ◈ **अनुच्छेद- 174** - राज्यपाल राज्य विधानमंडल का सत्रावसान, सत्राहूत तथा विधानसभा को भंग/ विघटित कर सकता है।
- ◈ विधानसभा का सत्रावसान (सत्र समाप्त) राज्यपाल करता है लेकिन विधानसभा की बैठक स्थगित विधानसभा का अध्यक्ष करता है।

राज्यपाल की विधायी शक्तियां-
- ◈ राज्यपाल, राज्य विधानसभा का अभिन्न अंग होता है, इसे निम्नलिखित विधायी शक्तियां प्राप्त होती हैं-
- ◈ वह राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- ◈ वह विधानमंडल के प्रत्येक चुनाव के पश्चात् पहले एवं प्रतिवर्ष पहले सत्र को सम्बोधित कर सकता है।
- ◈ वह विधानमण्डल के सदनों को विचाराधीन विधेयकों या अन्य मसले पर सन्देश भेज सकता है।
- ◈ जब विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद खाली हो तो वह विधानसभा के किसी सदस्य को सदन की अध्यक्षता सौंप सकता है।
- ◈ राज्य विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- ◈ विधानसभा सदस्य की निरर्हता के पर निर्वाचन आयोग से विमर्श करने के बाद इसका निर्णय करता है।
- ◈ जब राज्य विधानमंडल का सत्र न चल रहा हो तो वह औपचारिक रूप से अध्यादेश की घोषणा कर सकता है एवं वह किसी भी समय अध्यादेश को समाप्त भी कर सकता है।
- ◈ वह राज्य के लेखों से संबंधित राज्य वित्त आयोग, राज्य लोकसेवा आयोग, नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को राज्य विधानसभा के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

नोट - राज्य विधानसभा को स्थगित करने की शक्ति विधानसभा अध्यक्ष के पास होती है।

12. [a]

व्याख्या:-
- ◈ नवीन प्रोटोकॉल के अनुसार अब राज्यपाल को "Honourable" कहकर संबोधित किया जाता है, जबकि हिंदी में उन्हें "माननीय राज्यपाल" अथवा "राज्यपाल महोदय" के रूप में अभिवादन किया जाता है।

13. [d]

व्याख्या:-

- राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) रैंक का अधिकारी होता है।
- मृत्युदण्ड पर क्षमादान की शक्ति केवल राष्ट्रपति के पास होती है (अनुच्छेद 72), राज्यपाल को यह शक्ति प्राप्त नहीं होती है।
- राज्यपाल की स्वविवेकाधीन शक्तियों (Discretionary Powers) को अक्सर न्यायिक समीक्षा से छूट प्राप्त होती है, विशेषतः यदि वे संविधान के अनुरूप हों।

14. [d]

व्याख्या:-

राज्यपाल से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद -

अनुच्छेद	विवरण
153	राज्यों के राज्यपाल
154	राज्य की कार्यकारी शक्ति
155	राज्यपाल की नियुक्ति
156	राज्यपाल के पद की पदावधि
157	राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए योग्यताएँ
158	राज्यपाल कार्यालय की शर्तें
159	राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
160	कतिपय आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन
161	क्षमा आदि देने की राज्यपाल की शक्ति
162	राज्य की कार्यकारी शक्ति का विस्तार
163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्
164	मंत्रियों से संबंधित अन्य प्रावधान जैसे नियुक्तियाँ, कार्यकाल, वेतन और अन्य
165	राज्य के महाधिवक्ता
166	किसी राज्य की सरकार के कामकाज का संचालन
167	राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य
174	राज्य विधानमंडल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
175	राज्य विधानमण्डल के सदनों को सम्बोधित करने और संदेश भेजने के राज्यपाल के अधिकार।
176	राज्य विधानमण्डल के सदनों में राज्यपाल व विशेष अभिभाषण।
200	विधेयकों पर सहमति (अर्थात् राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति)
201	राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित विधेयक
213	अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति
217	उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल से परामर्श किया जाना।
233	राज्यपाल द्वारा जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
234	राज्यपाल द्वारा राज्य की न्यायिक सेवा में व्यक्तियों (जिला न्यायाधीशों के अलावा) की नियुक्ति।

15. [c]

व्याख्या:-

- राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200) यह कथन सही है।
- जब राज्यपाल द्वारा कोई विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष आरक्षित रखा जाता है, तो राष्ट्रपति यह कर सकता है-
  1. विधेयक को स्वीकृति दे सकता है।
  2. स्वीकृति देने से मना कर सकता है, या
  3. राज्यपाल को निर्देश दे सकता है की वह विधेयक को सदन को वापस लौटा दे। (अनुच्छेद-2001)

16. [c]

व्याख्या:-

- भारत में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का पद राष्ट्रपति को प्राप्त होता है।
- **राज्यपाल-**
  (i) राज्य सैनिक बोर्ड का अध्यक्ष
  (ii) पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का अध्यक्ष
  (iii) स्काउट & गाइड का संरक्षक
  (iv) भूतपूर्व सैनिको के हित-लाभो के लिए बनाई गई समेकित निधी कि प्रबन्धन समिति का अध्यक्ष
  (v) राजस्थान रेडक्रोस सोसाइटी ब्रांच का अध्यक्ष
  (vi) राजस्थान के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपती

17. [a]

व्याख्या:-

- किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुन:स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।

18. [a]

व्याख्या:-

- कथन I और कथन II दोनों सही हैं
- राज्यपाल मंत्रियों की नियुक्ति करता है, लेकिन यह नियुक्ति मुख्यमंत्री की सिफारिश पर की जाती है। मुख्यमंत्री अपनी पसंद के अनुसार मंत्रियों का चयन करता है और राज्यपाल को उनके नामों की अनुशंसा करता है।
- मुख्यमंत्री मंत्रियों को विभिन्न विभागों का प्रभार सौंपता है। वह किसी भी समय विभागों के कार्यभार में फेरबदल कर सकता है और मंत्रियों को उनके दायित्वों में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है।

19. [c]

व्याख्या:-

- फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं।
- सरदार जोगेन्द्र सिंह (त्यागपत्र) – 1972 से 1977
- सरदार हुकुम सिंह – 1970 से 1972
- एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा – 1982 से 1985

20. [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान राजभवन में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल की शुरुआत राज्यपाल कलराज मिश्र के कार्यकाल में की गई थी। इस पोर्टल का उद्देश्य राजभवन की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और सूचना तकनीक पर आधारित बनाना है।

21. [a]

व्याख्या:-

- गवर्नर रिलीफ फण्ड विनियम 1973
- समस्त वैधानिक/प्रशासनिक प्रयोजनार्थ इस कोष का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।

फण्ड का उद्देश्य

1. अकाल एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में सहायता
2. प्राकृतिक आपदाओं यथा अग्निकांड बाढ़ एवं दुर्घटना में सहायता
3. प्रदेश में महामारी, अतिवृष्टि, टिड्डी, ओलावृष्टि तथा अन्य आपदा क्षेत्रों में फसल नुकसान, औषधि एवं उपकरणों हेतु सहायता
4. माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अन्य जो भी कारण उचित समझे, जहां तात्कालिक आवश्यकता हो

22. [a]

व्याख्या:-

- माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी का जन्म कृषक परिवार में हुआ। समाज सेवाए कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में आपका गहन अध्ययन ही नहीं है बल्कि आपने इन क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है।
- माननीय राज्यपाल महोदय की ग्रामीण विकास में गहरी रुचि है। कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर आपने कार्य किया है।
- महाराष्ट्र में आपकी पहल पर एक बड़ी पहल यह भी हुई है कि वहां सहकारिता आंदोलन को आपने गति दी। किसानों को दूध से संबंधित व्यापार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके दूध विपणन को आपने निरंतर बढ़ावा दिया है। गन्ना किसानों के लिए आपने बहुत महती कार्य करते हुए उन्हें उनकी फसल का उचित लाभ प्रदान करने के लिए बाकायदा गत्ता कारखाने स्थापित किए।
- औरंगाबाद छत्रपती संभाजीनगर और जालना जिलोंमें अकाल उन्मूलन के उद्देश्य से गठित आरएसएस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आप रहे। आपका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से ही जुड़ाव हो गया था। पत्रकारिता के अंतर्गत साप्ताहिक पत्रिका विवेकश के प्रतिनिधि के रूप में भी आपने कार्य किया।

23. [a]

व्याख्या:-

- राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।
- राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करता है। ना कि निर्वाचित.

24. [d]

व्याख्या:-

- पुंछी आयोग (Punchhi Commission), जिसने केंद्र-राज्य संबंधों की समीक्षा की, ने सुझाव दिया था कि राज्यपाल को हटाने के लिए "राष्ट्रपति की इच्छा के सिद्धांत" को समाप्त किया जाना चाहिए. आयोग ने सिफारिश की कि राज्यपालों को भी राष्ट्रपति के समान ही राज्य विधानमंडल द्वारा महाभियोग (impeachment) की प्रक्रिया के माध्यम से हटाया जाना चाहिए

25. [d]

व्याख्या:-

- राज्यपाल की उपलब्धियों और भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 158 (4) में किया गया है।

♦ ♦ ♦ ♦

विज्ञापन

अब सरकारी अफसर बनने की
राह हुई और भी आसान।

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

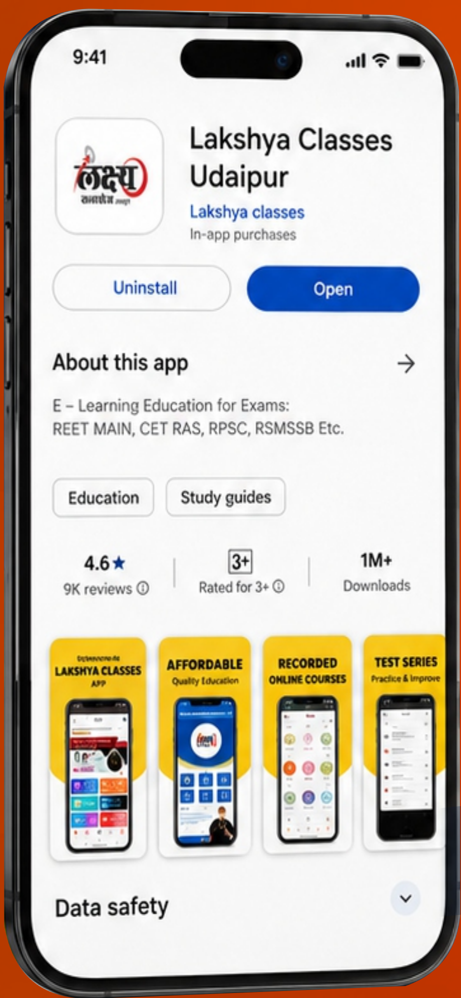

RAS

PRELIMS 2026

मरुधर RAS BATCH

LIVE FROM CLASSROOM
AND RECORDED BATCH

OFFLINE
नए बैच
प्रारंभ

Scan to Download
Lakshya App Now
Google play

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

MRP : ₹ 220

राजस्थान की अनुभवी टीम, अब एक ही प्लेटफार्म पर

S.No.AP0140 CODE : APDO(35) NRT

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur